HINDI

PAPER - III

JY–06/05

Signature of Invigilators

1. ....

2. ....

Roll No. [ ][ ][ ][ ][ ]
(In figures as in Admit Card)

Roll No. ....
....
(in words)

Name of the Areas/Section (if any)...............

Time Allowed : 2-1/2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Instructions for the Candidates

1. Write your Roll Number in the space provided on the top of this page.
2. Write name of your Elective/Section if any.
3. Answer to short answer/essay type questions are to be written in the space provided below each question or after the questions in test booklet itself. No additional sheets are to be used.
4. Read instructions given inside carefully.
5. Last page is attached at the end of the test booklet for rough work.
6. If you write your name or put any special mark on any part of the test booklet which may disclose in any way your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. Use of calculator or any other Electronics Devices is prohibited.
8. There is no negative marking.
9. You should return the test booklet to the invigilator at the end of the examination and should not carry any paper outside the examination hall.

પરીક્ષાર્થીઓ માટે સૂચનાઓ :

૧. આ પૃષ્ઠના ઉપલા ભાગે આપેલી જગ્યામાં તમારી ક્રમાંક સંખ્યા (રોલ નંબર) લખો.
૨. તમે જે વિકલ્પનો ઉત્તર આપો તેનો સ્પષ્ટ નિર્દેશ કરો.
૩. ટૂંકનોંધ કે નિબંધ પ્રકારના પ્રશ્નોના ઉત્તર દરેક પ્રશ્નની નીચે આપેલી જગ્યામાં જ લખો. વધારાના કોઈ કાગળનો ઉપયોગ કરશો નહીં.
૪. અંદર આપેલી સૂચનાઓ ધ્યાનથી વાંચો.
૫. આ ઉત્તરપોથીમાં અંતે આપેલું પૃષ્ઠ કાચા કામ માટે છે.
૬. આ ઉત્તરપોથીમાં ક્યાંય પણ તમારી ઓળખ કરાવી દે એવી રીતે તમારું નામ કે કોઈ ચોક્કસ નિશાની કરી હશે તો તમને આ પરીક્ષા માટે ગેરલાયક ગણવામાં આવશે.
૭. કેલક્યુલેટર અથવા ઈલેક્ટ્રોનિક્સ સાધનો નો ઉપયોગ કરવો નહીં.
૮. નકારાત્મક ગુણાંકપદ્ધતિ નથી.
૯. પ્રશ્નપત્ર લખાઈ રહે એટલે આ ઉત્તરપોથી તમારા નિરીક્ષકને આપી દેવી. પરીક્ષાખંડની બહાર કોઈ પણ પશ્નપત્ર લઈ જવું નહીં.

FOR OFFICE USE ONLY
MARKS OBTAINED

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1.		18.			
2.		19.			
3.		20.			
4.		21.			
5.		22.			
6.		23.			
7.		24.			
8.		25.			
9.		26.			
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					
17.					

Total Marks obtained ....

Signature of the co-ordinator ....
(Evaluation)

SEAL

हिन्दी
प्रश्न-पत्र - III

HINDI
PAPER - III

नोट : इस प्रश्न–पत्र में चार (4) भाग है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – एक

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न पाँच अंकों का है तथा प्रत्येक उत्तर तीस शब्दों में होना चाहिए –

''हिन्दू लोग ब्राह्मण को श्रेष्ठ और पूज्य मानते हैं । संन्यासी और योगी भी उनके लिए पूज्य हैं । किंतु आश्रमभ्रष्ट योगी और संन्यासी हिन्दू समाज में बहुत निकृष्ट समझे जाते हैं । यदि कोई संन्यासी फिर से गृहस्थाश्रम में प्रविष्ट हो जाये, तो उसकी संतति अस्पृश्य हो जाती है । इस देश के हर हिस्से में भ्रष्ट संन्यासियों से बनी हुई जातियाँ पायी जाती हैं । उत्तर भारत की गोसाईं, बैरागी, अतीत, साधु, जोगी और फकीर जातियाँ तथा दक्षिण भारत की आण्डी, दासरी और पानिसवन जातियां एसी ही हैं । जब तक संन्यासी अपने संन्यासाश्रम में होता है, वह हिन्दू का पूज्य है ; पर घरबारी होकर वह उसकी आँखों से गिरकर भ्रष्ट हो जाता है । घरबारी संन्यासी की संतति से जो जातियाँ बनती हैं, वे समाज के निचले स्तर में चली जाती हैं । इसलिए साधक योगी और गृहस्थ जाति के योगी में बड़ा भेद है । योगी जाति अर्थात् आश्रमभ्रष्ट योगियों की संतति न तो किस आश्रम व्यवस्था के अंतर्गत आती है, और न वर्ण व्यवस्था के । आजकल इन जातियों में से कई अपने को ब्राह्मण कहने लगी हैं । कइयों ने तो अपना दावा ब्राह्मणत्व के भी ऊपर उठा दिया है । अतीत के लोग अपने को ब्रह्मा के मस्तक से उत्पन्न कहते हैं । वे इस पर से यह तर्क और उपस्थित करतें हैं कि वे ब्राह्मण से ऊँचे हैं, क्योंकि ब्राह्मण तो·ब्रह्मा के मुख से ही उत्पन्न हैं और हम मस्तक से । मस्तक निस्संदेह मुख से ऊपर है । वस्तुतः ये जातियां एक जमाने में आश्रम–भ्रष्ट होने के कारण वर्णाश्रम–व्यवस्था के बाहर पड़ती थीं । सर्वग्रासी हिन्दू जाति ने उन्हें अब संपूर्ण रूप से आत्मसात कर लिया है ।

परंतु इन आश्रमभ्रष्ट जातियों में से अधिकांश अब भी भेष धारण करती हैं, भिक्षा पर निर्वाह करती हैं और अनेकानेक सामाजिक कृत्यों में गृहस्थ धर्म की विधि के बदले संन्यासियों में विहित विधि का अनुष्ठान करती हैं । बहुतों का मृतक–संस्कार नहीं होता और संन्यासियों की

भांति समाधि दी जाती है । बंगाल में योगियों को कहीं तो समाधि दी जाती है, और कहीं अग्नि संस्कार भी होता है । त्रिपुरा जिले के योगियों को पहले अग्निदाह करते हैं और फिर समाधि भी दे देते हैं । कबीरदास के विषय में प्रसिद्ध है कि उनकी मृत्यु के बाद कुछ फूल बच रहे थे, जिनमें से आधे को हिन्दुओं ने जलाया, आधे को मुसलमानों ने गाड़ दिया । कई पंडितों ने इस बात को करामाती किंवदन्ती कहकर उड़ा दिया है, पर मेरा अनुमान है कि सचमुच ही कबीरदास को (त्रिपुरा के योगियों की भांति) समाधि भी दी गयी होगी और जलाया भी गया होगा । यदि यह अनुमान सत्य है, तो दृढ़ता के साथ कहा जा सकता है कि कबीरदास जिस जुलाहा जाति में पालित हुए, वह एकाध–पुश्त के पहले के योगी जैसी किसी आश्रमभ्रष्ट जाति से मुसलमान हुई थी या अभि होने की राह में थी ।

1. संन्यासी व योगी के संबंध में हिन्दू लोगों की समझ कैसी है ?

2. भ्रष्ट संन्यासियों से बनी जातियों की चर्चा कीजिए।

3. भ्रष्ट जातियों के ब्राह्मणत्व का विवेचन कीजिए ।

4. आश्रमभ्रष्ट जातियों के सामाजिक कृत्यों को रेखांकित कीजिए ।

5. कैसे कहा जा सकता है कि आश्रमभ्रष्ट जातियों से मुसलमान हुए जुलाहा परिवार में कबीर का जन्म हुआ था ?

भाग – दो

नोट – निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर तीस शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न पाँच अंको का है ।

6. तुलसी–काव्य में लोकमंगल की भावना का निरूपण कीजिए ।

7. धनानंद की प्रेम–व्यंजना सप्रमाण समझाइए ।

8. छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि की चर्चा कीजिए ।

9. समकालीन कविता में लोकसंसक्ति के स्वरों का परिचय दीजिए।

10. प्रेमचंदोत्तर काल के किसी एक उपन्यास में निहित कथ्य का खुलासा कीजिए।

11. प्रसाद के नाट्यशिल्प के प्रमुख आयामों का उल्लेख कीजिए ।

12. वक्रोक्ति संप्रदाय का सामान्य परिचय दीजिए ।

13. उदात्त सिद्धांत के अवरोधक तत्त्वों का परिचय दीजिए ।

14. 'राम की शक्तिपूजा' की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ।

15. 'शेखर : एक जीवनी' में आये बाल मनोविज्ञान को रेखांकित कीजिए ।

16. कबीर की विद्रोही चेतना के प्रमुख मुद्दों की चर्चा कीजिए ।

17. नयी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए ।

18. रामचंद्र शुक्ल के निबंधों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

19. रामविलास शर्मा की समीक्षा–दृष्टि के प्रमुख पक्षों को स्पष्ट कीजिए ।

20. धनिया के संदर्भ में प्रेमचंद की नारी–दृष्टि का आकलन कीजिए ।

भाग – तीन

निम्नलिखित VI (छ:) एच्छिक/वैकल्पिक विभागों में से किसी एक विभाग के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 (दो सौ) शब्दो में होना चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के 12 (बारह) अंक हैं ।

ऐच्छिक - I

21. भक्ति काव्य में निर्गुण–सगुण के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
22. कबीर की राम विषयक अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।
23. 'पद्मावत' में निरूपित रूपक तत्त्व को उद्घाटित कीजिए ।
24. 'रामचरित मानस' के प्रबंध कौशल की समीक्षा कीजिए ।
25. 'सूरदास वात्सल्य का कोना–कोना झांक आये हैं ।' – इस कथन की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।

ऐच्छिक - II

21. 'छायावादी कवियों में कल्पना का प्राचुर्य है ।' इस कथन का परीक्षण कीजिए ।
22. आधुनिक युग में कामायनी की विश्वदृष्टि की तर्क संगत व्याख्या कीजिए ।
23. 'राम की शक्ति–पूजा' में निरूपित निराला के आत्मसंघर्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
24. 'पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं ।' इस कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए ।
25. महादेवी वर्मा के काव्य में निरूपित वेदना भाव को रेखांकित कीजिए ।

ऐच्छिक - III

21. उपन्यास में यर्थाथ की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।
22. पूर्व–प्रेमचंद काल की किसी एक औपन्यासिक प्रवृत्ति का परिचय दीजिए ।
23. 'गोदान' में निरूपित ऋण की समस्या पर प्रकाश डालिए ।
24. दलित–चेतना से अनुप्राणित हिन्दी उपन्यासो की चर्चा कीजिए ।
25. समकालीन कहानी की विशेषताओं को चिह्नित कीजिए ।

ऐच्छिक - IV

21. मम्मट की काव्य–विषयक परिभाषा को लेकर उठे विवाद की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

22. काव्य में ध्वनि–सिद्धांत के महत्त्व को निरूपित कीजिए ।

23. काव्यात्मा विषयक चर्चा करते हुए विभिन्न काव्य संप्रदाय और उनके प्रवर्त्तक आचार्यों का उल्लेख कीजिए ।

24. साधारणीकरण किसे कहते हैं ?

25. सहृदय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

ऐच्छिक - V

21. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना प्रतिमानों की विवेचना कीजिए।

22. आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना में निरूपित सांस्कृतिक दृष्टि को रेखांकित कीजिए।

23. डॉ. नामवरसिंह की आलोचना में व्यक्त काव्य प्रतिमानों पर प्रकाश डालिए ।

24. विजयदेव नारायण साही की आलोचना के कारकों पर प्रकाश डालिए ।

25. समकालीन आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए ।

ऐच्छिक - VI

21. आई.ए. रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धांत की विवेचना कीजिए ।

22. प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण–सिद्धांत के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

23. वर्डसवर्थ के काव्य–भाषा विषयक सिद्धांतों का मूल्यांकन कीजिए ।

24. टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत का समुचित आकलन कीजिए ।

25. उत्तर आधुनिकता के प्रमुख अभिलक्षणों की चर्चा कीजिए ।